ज़ुल्म के ख़िलाफ़ आवाज़

Postal Regd. No.:MNW/308/2016-

वर्ष : ०५ | अंक : ०६ | मुंबई, शुक्रवार ११ जनवरी से १७ जनवरी २०१९ | RNI No. : MAHHIN/2014/59999 | पृष्ठ : ४ | मूल्य : २/- रुपये

भारत की बढ़ती परमाणु ताकत से डरे इमरान खान

इस्लामाबादः अपनी नापाक हरकतों से पाकिस्तान बाज नहीं आ रहा है. पाकिस्तान ने सीमा पर महज ४८ घंटों के अंदर चार बार सीजफायर का उल्लंघन करते हुए गोलाबारी की. जबकि गृह मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी आकड़ों के अनुसार बीते साल पाकिस्तान ने १९६२ बार सीजफायर का उल्लंघन किया था. लेकिन इसके बावजूद उसी देश के प्रधानमंत्री इमरान खान शांतिवार्ता का राग अलाप रहे है. उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान को युद्ध के बारे में सोचना भी नहीं चाहिए. यहां तक कि दोनों देश शीतयुद्ध तक बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे. इसलिए द्विपक्षीय संवाद से सभी विवाद सुलझाना जरुरी है.तुर्की की समाचार एजेंसी टीआरटी वर्ल्ड को दिए एक इंटरव्यू में इमरान खान ने कहा कि दो परमाणु सम्पन्न देशों के बीच किसी भी तरह की लड़ाई उनके लिए आत्मघाती साबित होगी. खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अनुसार प्रधानमंत्री ने भारत के साथ वार्ता की फिर से इच्छा जताई है.पीटीआई ने इमरान के हवाले से कहा, ''दो परमाणु सम्पन्न देशों को युद्ध के बारे में सोचना तक नहीं चाहिए. यहां तक कि शीत युद्ध के बारे में भी नहीं क्योंकि स्थिति किसी भी समय खराब हो सकती है. दो परमाणु सशस्त्र देशों का युद्ध में शामिल होना आत्महत्या की तरह है.''आर्थिक तंगी से बेहाल हो चुके पाकिस्तान ने परमाणु हथियारों का जखीरा बना रखा है. लेकिन अब वह चाहता है कि भारत उसके साथ परमाणु परीक्षण पर रोक लगाने के लिए करार कर ले. एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में इस समय १४० से १५० परमाणु हथियार हैं और अगर वर्तमान स्थिति जारी रहती है तो उम्मीद है कि २०२५ तक यह बढ़ कर २२० से २५० हो जाएगी.भारत ने कभी भी परमाणु हमलें की बात नहीं की है लेकिन बौखलाहट में पाकिस्तान कई बार परमाणु हमलें की धमकी दें चूका है. इसके उलट पाकिस्तान में परमाणु हथियार सुरक्षित नहीं है. कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि कभी भी आतंकी संगठन पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को कब्जे में ले सकते है. अमेरिका सहित कई देश इस बात पर चिंता भी जता चुके है.

तिहाड़ जेल में अपराधियों की दादागिरीः रात में छीन लेते हैं अन्य कैदियों के कंबल

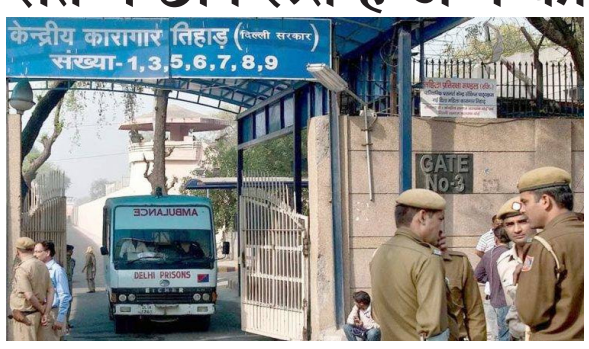

शाईस्ता शेख

नई दिल्ली: अब तक आपने जेल में बंद खूंखार कैदियों द्वारा कमजोर कैदियों के साथ मारपीट की घटनाओं के बारे में सुना होगा. लेकिन दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद खूंखार कैदियों द्वारा कमजोर कैदियों का कंबल छीनने को लेकर मामला सामने आया है. जहां इस सर्द भरे मौसम में दबंग कैदी कमजोर कैदियों का कंबल छीन लें रहें है. जिसकी वजह से उन्हें हर रात ठंड में ठिठुरने को मजबूर होना पड़ रहा है. इस बात का खुलासा होने के बाद जब दबंग कैदियों के कंबलों की तलाशी ली गई तो पाया गया कि उनके पास चार से छह कंबल है. वहीं कमजोर कैदियों के पास एक से दो कंबल है. जेल में कमजोर कैदियों के साथ हो रहें इस दादागिरी की शिकायत मिलने के बाद तिहाड़ जेल के अडिश्नल आईजी ने मीडिया से बात करते हुए कि इस समस्या का समाधान कर दिया गया है. एक हजार कंबल तिहाड़ में और ७०० कंबल मंडोली में स्टोर करा दिए गए हैं और आने वालें दिनों पर इस बात पर ध्यान रखा जाएगा. कैदियों के साथ हो रहे इस दादागिरी की शिकायत तिहाड़ जेल के साथ मंडोली जेल के बारे में आई थी.बता दें कि तिहाड़ जेल में बड़े से बड़े खूंखार और दबंग कैदी इस जेल में बंद है. जिनके ऊपर हत्या, उगाही, छिनैती, रंगदारी जैसे मामले दर्ज है. वहीं इस जेल में कुछ कमजोर किस्म के कैदी भी सजा कांट रहें है. लेकिन इन कैदियों की दादागिरी के चलते उनके कंबल छीने जाने के बाद वे इस सर्द भरे मौसम में किसी तरह दिन तो गुजर लेतें है. लेकिन उनके लिए रात गुजाराना काफी मुश्किल होता है. ऐसे में जेल के फर्श पर उन्हें ठंड के बीच ही ठिठुर कर रात गुजराना पड़ता है .

चोरी होने ना पाए, देख...! चौकीदार जाग रहा है

हमने माना कि चोरी करना अपराध है, यह बुरी बात है, यह भी चोर, वो भी चोर। इधर भी चोर उधर भी चोर। हर तरफ चोरों की बस्ती है, चोरों के डेरे हैं। अब यहां पर जताया जा रहा है, कि चौकीदार जाग रहा है, अगर चौकीदार जाग रहा है, तो फिर चोरियां क्यों हो रही है। यह एक सवाल है...? अब बेचारी भोली-भाली जनता क्या जाने कि कौन चोर है, कौन साहुकार और कौन चौकीदार...? राजनीति के लोग बेचारी जनता को जैसा नचाते है वो नाचती है।

शनिवार को महाराजा सुहेलदेव पर एक डाक टिकट जारी करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कॉंग्रेस पर तीखे वार किये, कहा कि कॉंग्रेस ने कर्ज माफी के नाम पर किसानों को केवल लॉलीपॉप दिया है। उन्होंने कहा कि देश की जनता के भविष्य को संवारने के लिए आपका चौकीदार दिन-रात एक कर रहा है। आप आशीर्वाद दें, क्योंकि चौकीदार से कई चोरों की नींद उड़ी हुई है। पी.एम. नरेंद्र मोदी ने कहा - एक दिन ऐसा आएगा कि इन चोरों को सही जगा पहुंचाया जाएगा।

किसानों की कर्जमाफी के मुद्दे पर कॉंग्रेस को घेरते हुए कहा कि कर्नाटक में कॉंग्रेस पार्टी ने सारा लोन माफ करने के नाम पर लोगों से वोट लिए थे, किंतु कर्ज सिर्फ और सिर्फ ८०० लोगों का ही माफ किया गया, केवल इतना ही नहीं, बल्कि सरकार बनने के बाद कर्ज लेने वाले तमाम गरीब किसानों के पीछे पुलिस लगा दी गई, जिससे कर्ज का भुगतान करने के लिए उन पर दबाव दिया जा रहा है, उन्होंने यह भी कहा कि, ''तत्काल राजनीतिक लाभ के लिए फैसलों से देश की समस्या का समाधान नहीं होता।''

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि २००९ के चुनाव से पहले लॉलीपॉप देने वाले लोगों ने देशभर में कर्जमाफी का वादा किया था और इसी मुद्दे पर सरकार ने लोगों को भुला दिया, जिस समय कॉंग्रेस ने यह वादा किया था, उस समय ६ लाख करोड़ का कुल कर्ज किसानों पर था और सरकार बनने के बाद किसानों की आंखों में धूल झोंकते हुए सिर्फ ६० हजार करोड़ का ही कर्ज माफ किया गया, सिर्फ इतना ही नहीं, इन सभी लोगों में ३५ लाख ऐसे लोगों की कर्जमाफी हो गई, जो किसान थे ही नहीं। इस कर्जमाफी का कोई प्रमाणपत्र लाखों किसानों को नहीं दिया गया।

जिसके कारण इन किसानों को बाद में ब्याज सहित कर्ज के पैसे वापस करने पड़े और ऐसे किसान दोबारा कर्ज लेने के लायक नहीं रहे। ऐसे में आपसे अनुरोध है कि आप कॉंग्रेस की सरकार से होशियार रहे।

एक और तीखा वार करते हुए पी.एम. ने कहा कि कॉंग्रेस ने स्वामीनाथन कमीशन की सिफारिश को लागू नहीं किया, अगर ११ साल पहले इस सिफारिश को लागू किया जाता तो आज हमारे देश का किसान कर्जदार ही नहीं होता। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कमीशन की सिफारिश को भाजपा ने लागू किया और किसानों को लागत से डेढ गुना मूल्य का समर्थन मूल्य दिया गया। ऐसे कई काम बीते चार साल में हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसान की फसल से लेकर उद्योग के विकास के लिए सरकार बहुत से काम कर रही है। इस तरह का बहुत ही लोक लुभावन बयान मंत्री जी ने दिया।

बस अब २०१९ का नया साल शुरू हो चुका है, नए सिरे से चुनाव होंगे। भाजपा कॉंग्रेस पर और कॉंग्रेस भाजपा पर तीखे, कड़वे वार कर रही है। हमारे देश की यह दो बड़ी ताकतें हैं, जो अपने-अपने तरीके से जनता को लुभा रही है।

वैसे आपको बता दें कि २०१४ में भाजपा सरकार के उभरते हुए इस नेता ने जो आज लोगों को लुभाने वाले बड़े-बड़े बयान दे रहे हैं। उन्होंने भी चुनाव से पहले जनता से बहुत सारे वादे किये थे, उसमें सबसे प्यारा वादा, ''अच्छे दिन'' का था, हम अपने पीएम जी के वह सारे वादे अगले आर्टिकल के जरिए अपने पाठकों को बताएंगे।

हम आस लगाए बैठे थे।
वो वादा करके भूल गए।।

- हुस्नबानों नुरमोहम्मद की कलम से...

बेस्ट बसों की हड़ताल जारी, सड़कों पर सन्नाटा, जनजीवन ठप

आसिफ खान

मुंबई, बेस्ट बसों की हड़ताल के कारण मंगलवार को मुंबई और आसपास के इलाकों में जनता का बुरा हाल रहा। यह हड़ताल बुधवार को भी जारी है। बेस्ट बस हड़ताल को देखते हुए सेंट्रल रेल सीपीआरओ ने अतिरिक्त सब सर्विस की घोषणा की है। बेस्ट के ३३ हजार से अधिक कर्मियों की हड़ताल का मुंबई के जनजीवन पर गहरा असर पड़ा। रोजाना लाखों यात्रियों को ढोने वाली १,८१२ बेस्ट बसें सड़कों से नदारद रहीं। नतीजा, सड़कों पर सन्नाटा पसरा था। कुछ लोग बस स्टॉप पर इंतजार भी करते नजर आए, लेकिन घंटों बस नहीं आने पर वैकल्पिक साधनों से अपने कार्यालय और गंतव्य स्थान पर पहुंचे। बसें नहीं चलने से ऑटोरिक्शा, टैक्सी और प्राइवेट ऑपरेटरों की चांदी रही। वे यात्रियों से मनमाना किराया वसूलते दिखे। यह झेल, मुंबईकर बोले कि अब यह बार-बार की हड़ताल बंद होनी चाहिए और प्रशासन-बेस्ट को मामला सुलझा लेना चाहिए।

डिपो में बसें १० बसों में तोड़फोड़ : हड़ताल से विद्यार्थी, मरीज और रोजाना यात्रा करने वाले कम से कम २५ लाख लोग प्रभावित हुए। जानकारी के अनुसार, सोमवार की मध्य रात्रि में १० बसों में तोड़फोड़ और मारपीट की घटना भी हुई है। वडाला राममंदिर के पास दो, धारावी पीएमजीपी कॉलोनी, मालाड (पश्चिम), मागाठाणे डिपो के पास, मालाड पठानवाडी आदि स्थानों पर एक-एक घटना सामने आई। वडाला डिपो के पास सोमवार की रात बस पर पत्थर फेंके जाने से बस ड्राइवर गणपत यादव घायल हो गए। व्यवस्था चरमराई हड़ताल को बेअसर करने के लिए प्रशासन की तरफ से वैकल्पिक व्यवस्था भी की गई थी, जो नाकाफी साबित हुई। लोगों की सुविधा के लिए एसटी बस चलाई गईं और मेट्रो की सेवाएं भी ली गईं, लेकिन यात्रियों की संख्या अधिक होने के कारण सभी विकल्प फेल हो गए। बेस्ट के एक प्रवक्ता ने बताया कि कुल २७ डिपो में १,८१२ बसें मॉर्निंग सर्विस के लिए लगाई गई थीं, लेकिन एक भी बस डिपो से बाहर नहीं गईं। इसे देखते हुए महाराष्ट्र राज्य परिवहन ने ४० विशेष बसें चलाईं। हड़ताल को खत्म कराने का प्रयास भी किया गया, लेकिन बात नहीं बनी। सेंट्रल रेल सब सर्विस:मेन लाइन-ठाणे प्रस्थान- १३.४४ बजे, सीएसएमटी आगमन- १४.४० बजे सीएसएमटी प्रस्तान- १४.४९ बजे, कल्याण आगमन- १६.१५ बजे हार्बर लाइन- वाशी प्रस्थान १३.४४ बजे, सीएसएमटी आगमन- १४.३२ बजे सीएसएमटी प्रस्थान १४.४५ बजे पनवेल आगमन १६.०५ बजे बेस्ट बसों की हड़ताल क्या हैं कर्मचारियों की मांगें: -कर्मचारियों की मुख्य मांग बेस्ट बजट का बीएमसी बजट में विलय की है, जिससे फंड की कमी से जूझ रहे कॉर्पोरेशन की स्थिति सुधर सके। -पिछले दो साल से प्रलंबित वेतन करार तत्काल करने की जरूरत है। -कर्मचारी सेवा आवास और भर्तियों को लेकर भी मांगें हैं। -२००७ के बाद कार्यरत कर्मचारियों का मास्टर ग्रेड पर फिक्सेशन हो।

मुंबई में तीसरे दिन भी जारी बेस्ट बसों की हड़ताल, कर्मचारियों को घर खाली करने का नोटिस

मुंबई में बेस्ट बसों की हड़ताल तीसरे दिन गुरुवार को भी जारी है। बस ड्राइवर और कंडक्टर डिपो के बाहर इकट्ठा तो हैं लेकिन उन्होंने मांगें न पूरी होने के चलते काम पर न जाने का फैसला किया है। उन्होंने हाजिरी रजिस्टर पर साइन भी नहीं किए। मुंबई के २७ डिपो में एक भी बस बाहर नहीं गई। हड़ताल को देखते हुए गुरुवार को भी हार्बर लाइन में अतिरिक्त ट्रेन सुविधा चलाई जा रही है। बेस्ट प्रशासन की कड़ी चेतावनी के बावजूद कर्मचारी अपनी हड़ताल पर अडिग हैं। बता दें कि बेस्ट प्रशासन ने बुधवार को ३०० कर्मचारियों पर मेस्मा (महाराष्ट्र एसेंशल सर्विसेस मेंटिनेंस ऐक्ट) लागू किया और २००० कर्मचारियों को स्टाफ क्वॉर्टर खाली करने का आदेश दिया। यूनियन ने वडाला डिपो तक एक बड़ा मोर्चा निकालने का फैसला किया है। यूनियन नेता शशांक राव ने कहा कि बेस्ट स्टाफ क्वॉर्टर की महिला निवासी वडाला डिपो तक ११ बजे मोर्चा निकालेंगी। इससे पहले प्रशासन द्वारा मेस्मा लगाने के बावजूद बेस्ट परिवहन की हड़ताल बुधवार को भी जारी रही। बुधवार को दिन भर में केवल ११ बसें चलीं। शिवसेना की हड़ताल समाप्त करने की घोषणा करने के बावजूद कोई खास फर्क नहीं पड़ा। बेस्ट की हड़ताल, डिपो में बसेंदिन भर कर्मचारी संगठनों, राजनीतिक पार्टियों और प्रशासन के बीच बैठकें चलती रहीं, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। अब इस मामले में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने भी हड़ताली कर्मचारियों का साथ देने की घोषणा कर दी है। बेस्ट ने अब तक ३०० कर्मचारियों को मेस्मा के तहत नोटिस दिए हैं। 'काम पर लौटो या घर खाली करो' प्रशासन की ओर से बेस्ट कर्मचारियों को 'मेस्मा' के तहत आधिकारिक घर खाली करने का नोटिस दिया गया है। बेस्ट प्रशासन का आदेश है कि या तो काम पर लौटो या घर खाली करो। भोईवाड़ा में बेस्ट की ओर से समाज कल्याण अधिकारी द्वारा नोटिस देने का लोगों ने विरोध किया। हड़ताल में एकजुट रहने की तरह यहां पर भी बेस्ट कर्मचारियों के परिवारों ने एकता दिखाकर प्रशासन के दांव को नाकाम किया।

लोगों ने ढूंढा विकल्प मुंबई में बेस्ट से रोज सफर करने वालों की संख्या २५ से ३० लाख है। इसके बावजूद इन दो दिनों में हड़ताल का ज्यादा असर नहीं दिखा। सड़कों पर निजी वाहनों, शेयर टैक्सियों और ऑटो ने यात्रियों की मुसीबतें काफी हद तक दूर कर दीं। कई जगह तो छोटी दूरी के लिए लोगों ने पैदल चलना बेहतर समझा। कोलाबा की प्रीति साहू ने बताया कि वह कॉलेज जाने के लिए सुबह बस लेती हैं, लेकिन पिछले दो दिनों से सीएसएमटी तक शेयर टैक्सी से आती है और फिर चर्चगेट तक पैदल जाती हैं। विपक्ष हुआ नाराजस्थाई समिति की बैठक में बेस्ट की हड़ताल को लेकर चर्चा का मौका न दिए जाने से नाराज विपक्ष ने वॉकआउट किया। बाहर आकर कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने स्थायी समिति अध्यक्ष के कार्यालय के बाहर जमीन पर बैठकर धरना दिया। विपक्ष ने इस मुद्दे पर चर्चा की मांग की थी, जिसे नकारे जाने पर उसने विरोध जताया। बाद में उन्हें स्थाई समिति के अध्यक्ष यशवंत जाधव ने बुलाकर चर्चा की।

जो हमें पटकने की बात करेगा हम उसे गाड़ देंगे-रामदास कदम

इस्माईल खान

मुंबईः २०१९ लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में शिवसेना और बीजेपी के बीच गठबंधन होता है या नहीं इसके बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है. लेकिन इस दौरान दोनों पार्टी के नेताओं के बीच बयान बाजी तेज हो गई है. रविवार को महाराष्ट्र के दौरे पर आये बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह ने शिवसेना का नाम ना लेते हुए बयान दिया था कि सहयोगी पार्टियों के साथ पार्टी का गठबंधन हुआ तो ठीक है, अगर ऐसा नहीं हुआ, तो पार्टी आगामी लोकसभा चुनावों में अपने पूर्व सहयोगियों को पटक देगी. अमित शाह के इस बयान पर शिवसेना नेता रामदास कदम पलटवार करते हुए कहा है कि 'जो शिवसेना को पटकने की बात करेगा हम उसे गाड़ देंगे, चाहे वह कितना भी वजनदार क्यों न हो! रामदास कदम के इस बयान के बाद बीजेपी नेता व राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रकांत पाटील का बयान आया है. उन्होंने कदम को जवाब देते हुए कहा है कि हम उनके जैसी भाषा नहीं बोल सकते. शिवसेना की तीखी आलोचना पर पाटील ने कहा कि हमारी कोई मजबूरी नहीं बल्कि सहनशीलता है. उन्होंने कहा कि बीजेपी और शिवसेना की विचारधारा समान है. इसलिए कोशिश की जा रही है कि दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़े.

सड़कों पर फेंका कचरा, भरना पड़ेगा १५ हजार रुपये का जुर्माना

भिवंडी, मुंबई में शहर की साफ-सफाई को लेकर भिवंडी महानगरपालिका ने सख्त रवैया अपना लिया है। अब शहर की सड़कों या सार्वजनिक स्थानों पर कचरा डालकर घनकचरा व्यवस्थापन के नियमों का उल्लंघन करने वालों को १५ हजार रुपये का जुर्माना भरना होगा। महानगरपालिका सूत्रों के अनुसार, सूखा एवं गीला कचरा अलग न करने वाले व्यक्तियों से पहली बार ५० रुपये, दूसरी बार १०० रुपये और तीसरी बार १५० रुपये अर्थदंड लगाया जाएगा। इसी तरह सार्वजनिक स्थानों अथवा सड़क के किनारे कचरा फेंकने वाले व्यक्ति से पहली बार तीन हजार रुपये आर्थिक दंड लिया जाएगा। यही गलती दोबारा करने पर उससे छह हजार रुपये और फिर तीसरी बार करने पर उससे नौ हजार रुपये दंड लिया जाएगा। इन सबसे इतर तीन बार कचरा डालने के बाद भी यही अपराध जानबूझकर किए जाने पर प्रत्येक बार उससे १५ हजार रुपये का दंड लिया जाएगा। इसी तरह खुले स्थानों पर कचरा जलाने वालों से हर बार ५०० रुपये दंड लिया जाएगा। इसी तरह सार्वजनिक सभा एवं समारोह आदि समाप्त होने के चार घंटे के अंदर यदि सभास्थल की सफाई विधिवत तरीके से नहीं की गई, तो कार्यक्रम की अनुमति के समय जमा की जमानत की रकम जब्त कर ली जाएगी।

महानगरपालिका सूत्रों के मुताबिक, नगर विकास विभाग द्वारा नागरिकों की सुविधा के लिए शहर में जहां आवश्यक हो वहां कचरे का डिब्बा रखने, कचरा संकलन केंद्र खोलने, सूखा कचरा वर्गीकरण केंद्र बनाने, कचरा उर्वरक केंद्र बनाने सहित झोपड़पट्टी इलाकों में पर्याप्त शौचालय बनाने एवं उसकी जानकारी नागरिकों को देने के लिए होर्डिंग लगाने का आदेश पालिका को दिया गया है। इसी तरह शहर के नागरिकों द्वारा सूखा एवं गीला कचरा अलग करने के बाद समय सारिणी के अनुसार उसे उठाने के लिए न आने वाले महानगरपालिका कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई का आदेश दिया है।

संपादकीय...

केंद्र का बड़ा दांव

मोदी सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले बड़ा दांव चलते हुए सामान्य वर्ग के गरीबों के लिए सरकारी नौकरी और शिक्षा में १० फीसदी आरक्षण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सोमवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को पास किया गया। केंद्र सरकार आरक्षण के इस नए फॉर्म्युले को लागू करने के लिए आरक्षण का कोटा बढ़ाएगी। बता दें कि भारतीय संविधान में आर्थिक आधार पर आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे में सरकार के पास गेमचेंजर माने जा रहे मूव को अमलीजामा पहनाने के लिए संविधान संशोधन ही एकमात्र रास्ता है।

क्या है आरक्षण का नया फॉर्म्युला : सूत्रों के मुताबिक आरक्षण का कोटा मौजूदा ४९.५ प्रतिशत से बढ़ाकर ५९.५ प्रतिशत किया जाएगा। इसमें से १० फीसदी कोटा आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए होगा। बता दें कि लंबे समय से आर्थिक रूप से पिछड़े सामान्य वर्ग के लिए आरक्षण की मांग की जा रही थी।

आरक्षण की क्या हैं शर्तें : मीडिया रिपोर्ट की मानें तो जिन लोगों की पारिवारिक आय ८ लाख रुपये सालाना से कम है उन्हें ही इसका फायदा मिलेगा। इसके साथ ही इसके लिए शहर में १००० स्क्वेयर फीट से छोटे मकान और ५ एकड़ से कम की कृषि भूमि की शर्त भी रखे जाने की खबरें हैं।

लोकसभा चुनाव में मिलेगा फायदा : बता दें कि बीते दिनों एससी/एसटी ऐक्ट पर मोदी सरकार के फैसले के बाद सवर्ण जातियों में नाराजगी और हाल के विधानसभा चुनाव में तीन राज?यों में मिली हार के मद्देनजर इसे सवर्णों को अपने पाले में लाने की कोशिश के तौर पर देखा जा सकता है।

सबसे बड़ा सवाल : केंद्र सरकार ने आर्थिक रूप से पिछड़े सामान्य वर्ग के लोगों के लिए १० फीसदी कोटे का प्रस्ताव तो पास कर दिया है, लेकिन इसे लागू करवाने की डगर अभी काफी मुश्किल है। सरकार को इसके लिए संविधान में संशोधन करना होगा। इसके लिए उसे संसद में अन्य दलों के समर्थन की भी जरूरत होगी। कैबिनेट से यह प्रस्ताव मंजूर होते ही कांग्रेस, एनसीपी और आम आदमी पार्टी ने इसका समर्थन किया है।

बॉलीवुड समाचार

मैं कभी अपने आप को स्टार जैसा महसूस नहीं होने दूंगी- सारा अली खान

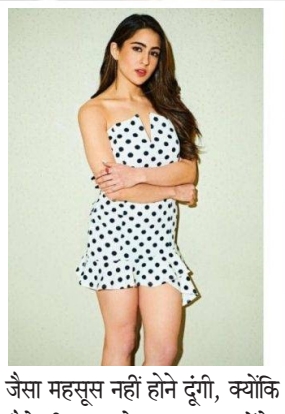

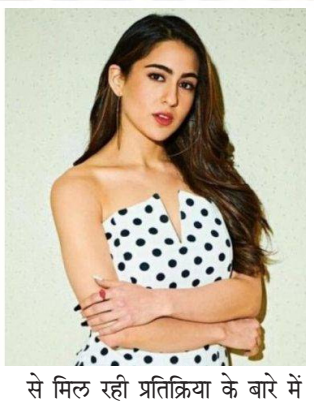

पहली फिल्म 'केदारनाथ' से ही उन्होंने अपनी छाप छोड़ दी है और उनकी दूसरी रिलीज 'सिम्बा' भी हिट है. भारत भर में उनका प्रशंसकों का एक वर्ग तैयार हो चुका है. लेकिन, अभिनेत्री सारा अली खान का कहना है कि न तो उनके पास 'स्टार' जैसा महसूस करने के लिए समय है और न उन्हें ऐसा लगता है कि भविष्य में वह कभी खुद को स्टार जैसा महसूस होने देंगी. उन्होंने कहा, 'अरे कहां? मैं बस भागदौड़ करके अपने काम के बोझ को निपटाने की कोशिश कर रही हूं. मेरे पास स्टार जैसा महसूस करने के लिए समय नहीं है. मैं नहीं मानती कि मैं अभी स्टार बन पाई हूं. लेकिन, उम्मीद करती हूं किसी दिन ऐसा होगा. मुझे लगता है कि मैं कभी अपने आप को स्टार जैसा महसूस नहीं होने दूंगी, क्योंकि जैसे ही आप ऐसा महसूस करेंगे, अन्य लोग आपको अनुकूल व सकारात्मक परिप्रेक्ष्य में देखना बंद कर देंगे.'सारा से जब पूछा गया कि उनकी दादी शर्मिला टैगौर कहती हैं कि इतनी कम उम्र में वह आत्मविश्वास से भरपूर हैं, वह इतना आत्मविश्वास कहां से लाती हैं, तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह ईमानदार होने से आता है और यही एकमात्र तरीका है जिससे मैं ऐसी बन सकती हूं. जो लोग अच्छे से झूठ बोल सकते हैं, उन्हें ऐसा करने दें. मैं ऐसा नहीं कर सकती. झूठ बोलते ही मेरी जुबान लड़खड़ाने लगती है. मेरे लिए सच्चा होना मुझे सूट करना है.'

अभिनेत्री ने परिवार और मीडिया से मिल रही प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर कहा कि मैं 'जो भी करूंगी परिवार वाले मुझे पसंद ही करेंगे क्योंकि मैं उनकी बेटी हूं, लेकिन समालोचकों और दर्शकों से जो प्रतिक्रिया मिली है, वह अभिभूत कर देने वाली है. मैं इसे जिंदगी भर नहीं भूल पाऊंगी.' सारा से जब पूछा गया कि जो प्यार उन्हें मिल रहा है, क्या वह इसकी हकदार हैं तो उन्होंने कहा कि ८० फीसदी वह इसकी हकदार हैं. बाकी २० फीसदी कहां से आ रहा है, वह नहीं जानतीं और यह चीज उन्हें आभारी और भावुक महसूस कराती है.उन्होंने कहा कि अभिनय में उन्हें कोई अनुभव नहीं था और बस ईमानदारी से काम किया और उनके लिए आगे बढ़ने का यही एकमात्र तरीका रहा. उन्होंने कहा कि माता-पिता की फिल्मों के सेट पर तो वह गई थीं लेकिन 'केदारनाथ' से उन्हें पहली बार फिल्म निर्माण की बारीकियों के बारे में जानने का मौका मिला. सारा शुरू से ही अभिनेत्री बनना चाहती थीं. तो, फिर उन्होंने कोलंबिया युनिवर्सिटी का रुख क्यों किया, इस पर उन्होंने कहा कि उनके लिए शिक्षा नौकरी पाने का जरिया नहीं थी. शिक्षा ने उन्हें आत्मविश्वास से भरपूर शख्सियत बनाया है. शिक्षा जीवन को अंतर्दृष्टि प्रदान करती है.अभिनेत्री ने यह पूछे जाने पर कि ज्याादतर उनकी परवरिश मां ने किया, ऐसे में पिता के आसपास न होने की कमी क्या उन्होंने महसूस की तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक ही घर में नाखुश माता-पिता के रहने से अच्छा अलग-अलग घरों में खुश माता-पिता का रहना है. मेरी मां ने मुझे कभी भी किसी चीज की कमी नहीं महसूस होने दी. मेरे और मेरे भाई के पैदा होने पर मेरी मां ने कुछ और नहीं किया, हमारी परवरिश व देखभाल पर ही पूरा ध्यान दिया.'

गालियों और गोलियों से भरा है सोन चिड़िया का ट्रेलर, डकैतों की दमदार कहानी

सुशांत सिंह राजपूत और भूमि पेडनेकर की फिल्म सोन चिड़िया का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में भूमि पेडनेकर, सुशांत सिंह

राजपूत, मनोज वाजपेयी चंबल के बागी के रोल में नजर आ रहे हैं। ये फिल्म ८ फरवरी को रिलीज हो रही है। २ मिनट ४३ सेकेंड के इस ट्रेलर में मान सिंह गैंग की कहानी दिखाई गई है। ये फिल्म १९७५ में लगी इमरजेंसी के बैकग्राउंड पर बनी है। ट्रेलर में भूमि पेडणेकर भी बागी डाकुओं के रोल में हैं। इस फिल्म के डायलॉग्स में जबरदस्त पंच है। फिल्म में कैरेक्टर्स के बात करने के लहजे में लोकल बोली का इस्तेमाल किया है। सोन चिड़िया में आशुतोष राणा पुलिस इंसपेक्टर के रोल में हैं। फिल्म गालियों और एक्शन से भरपूर है। सोन चिड़िया का ट्रेलर गैंग्स ऑफ वासेपर और पान सिंह तोमर याद दिला देगा।

रिलीज हुआ था टीजर : सोन चिड़िया का टीजर पिछले महीने रिलीज हुआ था। टीजर की शुरुआत होती है एक डायलॉग से और वो है- अब ये देखना है कि खलीफा बनेगो कौन? और उसके बाद डाकू के लिबास में नजर आते हैं मनोज वाजपेयी और रणवीर शौरी। जय भवानी के जयकारों के साथ चंबल की झलक दिखती है। इससे पहले फिल्म का पोस्टर भी रिलीज हुआ था, जिसमें चेतावनी लिखी थी- एक चेतावनी है - बैरी बेईमान, बागी सावधान।

अभिषेक चौबे ने किया डायरेक्ट : सोन चिड़िया को उड़ता पंजाब फेम अभिषेक चौबे ने डायरेक्ट किया है। वहीं, फिल्म के निर्माता रोनी स्क्रूवाला हैं। पान सिंह तोमर के काफी समय के बाद डकैतों पर दूसरी फिल्म है। अब देखना है कि सुशांत सिंह राजपूत फिल्म में गब्बर सिंह की याद दिलाते हैं या नहीं।

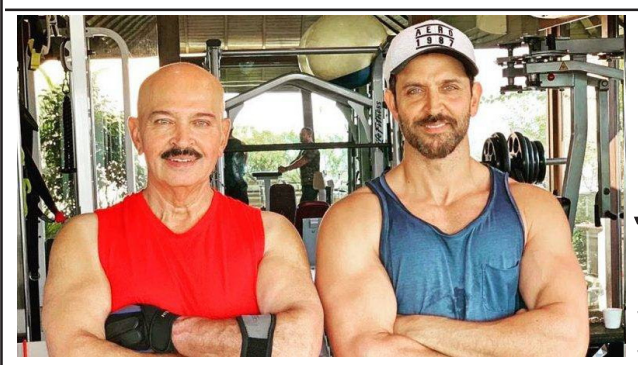

शाहीन सय्यद

फिल्म निर्देशक और अभिनेता राकेश रोशन) कैंसर की बीमारी से पीड़ित हैं. उन्हें थ्रोट कैंसर हुआ है. इस बात की जानकारी को बेटे ऋतिक रोशन ने ट्विटर पर शेयर किया है. ऋतिक ने बताया कि उनके पिता राकेश रोशन की ये बीमारी सही समय पर डिटेक्ट हो गई. वो थ्रोट कैंसर के अर्ली स्टेज पर हैं. इस बीमारी के बारे में उन्हें कुछ ही हफ्तों पहले पता चला. इस बीमारी के चलते आज उन्हें सर्जरी भी करानी है. पिता के कैंसर की खबर को शेयर करते हुए ऋतिक ने लिखा, 'मेरे पिता से आज मैंने एक तस्वीर के लिए कहा. मैं जानता था कि वो अपने सर्जरी डे पर जिम मिस नहीं करेंगे. वो गले के अर्ली स्टेज

राकेश रोशन को हुआ कैंसर

स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा से पीड़ित हैं जिसके बारे में कुछ ही हफ्तों पहले पता चला. लेकिन इससे निपटने के लिए आज उनके हौसले बुलंद हैं. एक परिवार के रूप में हैं नसीब वाले हम नसीब वाले कि हमारे पास एक ऐसा लीडर है.'ऋतिक ने जैसे ही ये खबर शेयर कि उनके पिता को लेकर फैंस काफी दुखी हैं और सोशल मीडिया पर जरिए उनके अच्छे सेहत की कामना करते हुए उन्हें मैसेज भेज रहे हैं.

सुमन मौर्या

प्रियंका चोपड़ा ने अमरीकी पॉप सिंगर निक जोनस के साथ अपनी शादी के बाद स्विटजरलैंड हनीमून मनाने गई हुई थी. अपने काम से फुर्सत लेकर अपने पति के साथ टाइम स्पेंड कर रहीं प्रियंका ने अब इंस्टाग्राम पर अपनी बिना मेकअप वाली सेल्फी शेयर की है. इस फोटो में प्रियंका काफी रिलैक्स्ड मूड में नजर आ रही हैं.सेल्फी को शेयर करके प्रियंका ने लिखा, 'कमिंग एट यू २०१९.' प्रियंका की इस फोटो को सोशल मीडिया पर काफी लाइक्स और कमेंट्स मिल रहे हैं. अब तक उनकी इस पिक्चर को ८ लाख से भी ज्यादा लोग लाइक चुके हैं.आपको बता दें कि प्रियंका चोपड़ा ने निक जोनस से २ और ३ दिसंबर को जोधपुर के उमेद भवन पैलेस में

प्रियंका चोपड़ा ने INSTAGRAM पर शेयर की बिना मेकअप वाली सेल्फी

शादी की. शादी हिंदू और क्रिस्चियन रिती रिवाज का पालन करते हुए संपन्न की गई. अब बताया जा रहा है कि प्रियंका जल्द ही भारत लौटकर अपनी फिल्मों का काम एक बार फिर शुरू करेंगी.प्रियंका फरहान अख्तर के साथ फिल्म 'द स्काई इज पिंक' पर काम कर रही हैं. इसी के साथ उनकी हॉलीवुड फिल्म 'इट इजंट रोमांटिक' भी रिलीज होनी है.

ये ५ भारतीय खिलाड़ी नहीं खेल पाएंगे २०१९ विश्वकप!

नई दिल्ली: २०१९ विश्वकप की तारीख जैसे-जैसे पास आ रही है वैसे-वैसे भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज भी पूरी तरह से निखरते जा रहे हैं. भारतीय टीम के खिलाड़ी खुद को २०१९ के लिए तैयार कर रहे है , जो कि फिर से १९८४ ओर २०११ की तरह भारत को वर्ल्ड कप जीता सके. भारत अभी से पूरी तैयारी में जुट गया है. लेकिन भारतीय टीम के कुछ खिलाड़ियों के लिए ये पल निराश कर देने वाला है और इसकी वजह है उन खिलाड़ियों का विश्वकप टीम में चयन न होना. चलिए अब आपको बताते हैं कि कौन से वो खिलाड़ी हैं जिन्हें २०१९ विश्वकप में खेलने का मौका शायद न मिले.

उमेश यादव: भारतीय टीम के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक उमेश यादव का नाम बड़े सम्मान के साथ लिया जाता है क्योंकि हाल में ही वेस्टइंडीज के ख़िलाफ़ यादव ने दूसरे टेस्ट मैच में १० विकेट लेकर १९ साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है. ये तो बात हो गई उनकी खूबियों की, अब आपको बताते हैं कि उमेश का नाम विश्वकप टीम से बाहर क्यों हो सकता है. दरअसल, यादव के अगर टेस्ट मैच से पहले के मैचों पर एक नजर डाली जाए तो पाएंगे कि यादव का प्रदर्शन काफी हद तक लचर रहा. ये लचर प्रदर्शन यादव के लिए कहीं न कहीं परेशानी का सबब बन सकता है. इसलिए ये कयास लगाए जा रहे हैं कि यादव का विश्वकप खेलना लगभग मुश्किल है. हालांकि ये बात सही है कि यादव अपने आपको को बेहतर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं.

सुरेश रैना: भारतीय बल्लेबाज सुरेश रैना, इन्होंने साल २०११ का वर्ल्ड कप जीतने में अहम भूमिका निभाई थी. रैना भारत के लिए हाल में नहीं खेल रहे लेकिन अगर वो वर्ल्ड - २०१९ का हिस्सा बनते है तो भारत खुद को मजबूत स्थिति में कर सकता है. रैना ने हाल ही में रणजी में नाबाद १३५ रनों की पारी झारखंड के खिलाफ़ खेली उनके इस प्रदर्शन से उन्होंने चैनकर्ताओं को भी अपनी ओर आकर्षित किया है. क्रिकेट जानकारों की माने तो इस बार रैना को शायद ही विश्वकप के लिए सिलेक्ट किया जाए. शायद यही वजह है कि भारतीय टीम ने काफी समय से टीम में जगह नहीं दी है.

श्रेयस अय्यर: भारतीय टीम का हिस्सा रहे ओर दिल्ली डेयरडेविल्स के कप्तान के रुप मे श्रेयस अय्यर ने बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया था. लेकिन पिछले कुस समय से अय्यर ने कोई भी अच्छा मैच नहीं खेला है. इस लिहाज से उनकी बल्लेबाजी लगातार लचर होती जा रही है. उनके खराब प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें विश्वकप टीम में जगह नहीं मिलेगी ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं.

रविचंद्रन अश्विन: रविचंद्रन अश्विन की अगर बात की जाए तो आपको याद होगा कि कुछ समय पहले खुद अश्विन ने टीम से बाहर होने को लेकर बात करते हुए कहा था कि मुझे नहीं पता है कि वन डे क्रिकेट में मेरे साथ क्या गलत हुआ है कि मैं टीम से बाहर हो गया. उनके लचर प्रदर्शन के चलते ही उन्हें वनडे टीम से बाहर का रास्ता दिखाया गया था. भारतीय टीम २०१९ विश्वकप किसी भी कीमत पर जीतना चाहती है. इसलिए ऐसे खिलाड़ियों को मौका मिलना मुश्किल है जिनका मौजूदा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है.

अजिंक्य रहाणे: भारतीय टीम के कोच शास्त्री ने संकेत दिए कि वे अब से उनके १५ खिलाड़ियों के साथ ही खेलेंगे जिनके विश्व कप के लिए ब्रिटेन जाने की संभावना है. उन्होंने साफ किया था कि अजिंक्य रहाणे और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गज खिलाड़ियों विश्व कप २०१९ में टीम का हिस्सा नहीं होंगे.

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना होने से पूर्व आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में शास्त्री ने स्पष्ट किया, 'हम उन १५ खिलाड़ियों को खिलाने का प्रयास करेंगे जो विश्व कप के लिए तैयार रहेंगे.

जानिए १९८३ में देश को वर्ल्ड कप दिलाने वाले कप्तान कपिल देव ने क्यों दाऊद इब्राहिम से कहा- 'कौन है तू? चल बाहर निकल'

भारतीय टीम को पहला वर्ल्ड कप दिलाने वाले देश के पूर्व दिग्गज कप्तान कपिल देव के लिए आज का दिन बेहद खास है. जी हां देश के पूर्व दिग्गज कप्तान कपिल देव का आज के ही दिन ६ जनवरी १९५९ को चंडीगढ़ में जन्म हुआ था. बता दें कि कपिल देव का आज ६०वां जन्मदिन है. वैसे तो क्रिकेट ग्राउंड पर कपिल के करिश्मे की कई कहानियां हैं, लेकिन उनके जन्मदिन पर हम आपको उनकी निडरता की दास्तां सुनाते हैं.इस किस्से को 'शारजाह ड्रेसिंग रूम कांड' के नाम से जाना जाता है. दरअसल १९८७ में शारजाह टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच अगले दिन खेला जाना था. प्रैक्टिस खत्म करने के बाद भारतीय टीम ड्रेसिंग रूम पहुंची. तभी कॉमेडियन महमूद अपने साथ एक ऐसे शख्स को ले आए जिसे दिलीप वेंगसरकर के अलावा कोई भी उन्हें नहीं पहचानता था. वह शख्स था अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम. उस दौर में दाऊद की गिनती स्मगलर्स में होती थी. बॉलीवुड एक्टर महमूद खिलाड़ियों से दाऊद का परिचय करवाते हुए बोले कि यह हमारे मित्र हैं और यहीं पर बिजनेस करते हैं. महमूद ने खिलाड़ियों को बताया कि दाऊद उन्हें एक ऑफर देना चाहते हैं.इसके बाद दाऊद ने अपनी बात रखते हुए कहा, 'अगर कल होने वाले मुकाबले में भारतीय टीम पाकिस्तान को हरा देती है तो मैं सभी खिलाड़ियों को एक-एक टोयोटा कोरोला कार गिफ्ट करूंगा.' ऑफर को सुनते ही सभी क्रिकेटर एक-दूसरे का चेहरा देखने लगे. लेकिन कपिल देव तभी प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म कर ड्रेसिंग रूम में आए. देव को जब बात पता चली तो पहले उन्होंने महमूद से कहा- महमूद साहब आप जरा बाहर निकल जाइए. तभी उन्होंने दाऊद को देखते हुए कहा- ये कौन है, चल बाहर चल, कपिल के जवाब को सुनते ही दाउद ड्रेसिंग रूम से बाहर निकल गया.१९९९ में कपिल देव का नाम मैच फिक्सिंग में भी आया था, हालांकि इन आरोपों को बाद में खारिज कर दिया गया था. कपिल देव ने भारतीय टीम के तरफ से खेलते हुए १३१ टेस्ट मैचों के १८४ पारियों में ५२४८ रन बनाए, जिसमें २७ अर्धशतक और ८ शतक शामिल हैं. जबकि २२५ वनडे मैचों की १९८ पारियों में ३७८३ रन बनाए. जिसमें उन्होंने १४ अर्धशतक और १ शतक लगाए.

पंड्या-राहुल पर २ वनडे के बैन की सिफारिश

नई दिल्ली, हाल ही में एक टीवी शो में लड़कियों के खिलाफ की गईं आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर विवादों में घिरे टीम इंडिया के ऑलराउंडर खिलाड़ी हार्दिक पंड्या और ओपनिंग बल्लेबाज केएल राहुल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बीसीसीआई में नियुक्त प्रशासनिक समिति के प्रमुख विनोद राय ने दोनों खिलाड़ियों पर दो-दो वनडे मैचों के बैन की सिफारिश की है। प्रशासनिक समिति की दूसरी सदस्य डायना इडुल्जी ने इस मामले को बीसीसीआई की लीगल सेल के पास भेज दिया है।

पंड्या के कॉमेंट के बाद सोशल मीडिया पर उनकी खूब आलोचना हुई थी और इसके बाद उन्होंने बुधवार को ट्विटर पर माफी भी मांगी थी। बीसीसीआई ने भी दोनों खिलाड़ियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। दोनों खिलाड़ियों को जवाब देने के लिए २४ घंटे का समय दिया गया था। 'कॉफी विद करण' टीवी शो पर पंड्या की टिप्पणियों की काफी आलोचनाएं हुई जिन्हें 'सेक्सिस्ट' करार दिया गया। दोनों खिलाड़ियों ने अपने जवाब में बोर्ड और प्रशासनिक समिति से माफी मांगी थी। खिलाड़ियों के जवाब पर प्रतिक्रिया देते हुए विनोद राय ने कहा, 'मैं हार्दिक के स्पष्टीकरण से सहमत नहीं हूं और मैंने दोनों खिलाड़ियों पर दो मैचों के प्रतिबंध की सिफारिश

की है। हालांकि जब डायना इस मामले पर अपनी हरी झंडी देंगी, तभी इस पर अंतिम निर्णय हो सकेगा।' टीम इंडिया को शनिवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ३ वनडे मैचों की सीरीज खेलनी हैं। दोनों खिलाड़ी इस सीरीज के लिए टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया में मौजूद हैं।

राय ने कहा, 'डायना इडुल्जी ने इस मामले पर कानूनी राय मांगी है कि क्या इन दोनों खिलाड़ियों को बैन किया जा सकता है। अगर वह इसे मंजूरी देती हैं, तो फिर इस निर्णय लिया जाएगा। जहां तक मेरा सवाल है ये टिप्पणियां मूर्खतापूर्ण हैं, खराब और अस्वीकार्य हैं।' इससे पहले मामले के तूल पकड़ने के बाद हार्दिक पंड्या ने ट्विटर पर अपना पक्ष रखते हुए माफी मांगी थी। उन्होंने इस ट्वीट में लिखा था, 'ईमानदारी से कहूं तो, मैं शो की प्रकृति के साथ भावनाओं में बह गया। मैं किसी भी तरीके से किसी की भी भावनाओं को आहत या किसी का अनादर नहीं करना चाहता था।' शो पर पंड्या ने कई महिलाओं से अपने संबंधों को बढ़ा चढ़ाकर बताया था और यह भी कहा था कि वह अपने माता पिता से भी इसके बारे में काफी खुले हुए हैं। यह पूछने पर कि वह क्लब में महिलाओं के नाम क्यों नहीं पूछते तो पंड्या ने कहा, 'मैं उन्हें (महिलाओं) देखना चाहता हूं कि उनकी चाल ढाल कैसी है। मैं थोड़ा ऐसा ही हूं इसलिए मुझे यह देखना होता है कि वे कैसा बर्ताव करेंगी।'

संक्षिप्त न्युज

युवक ने बच्ची को दिखाया पोर्न वीडियो, फिर की छेड़खानी

मुंबई : सटे पनवेल में एक नाबालिक बच्ची को अश्लील वीडियो दिखाकर उसके साथ छेड़खानी करने का मामला सामने आया है. जहां पर एक दस साल की बच्ची के साथ एक अज्ञात युवक नववर्ष के दिन ट्यूशन जाते समय उसको अश्लील वीडियों दिखा कर छेड़खानी किया. युवक के गतल हरकत को देखते हुए बच्ची किसी तरह से अपने को उसके पास से छुड़ाकर वहां से भागी.बच्ची घर पहुंचने के बाद युवक की इस हरकत को उसने अपने परिवार वालों से बताया. परिवार वाले उस युवक के खिलाफ उस समय पुलिस स्टेशान में मामला दर्ज नहीं करवाया. लेकिन बच्ची के साथ हुए उस हरकत को लेकर उन्होंने अब आरोपी के खिलाफ पनवेल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करवाया है. वहीं इस घटना को लेकर मामले के जांच अधिकारी एन कदम का कहना है कि पीड़ित बच्ची के परिवार के शिकायत के बाद उन्होंने आरोपी के खिलाफ बच्ची के साथ छेड़खानी करने को लेकर मामला दर्ज किया है. आरोपी को पकड़ने को लेकर बिल्डिंग में लगे सीसीटीवी के आधार उसकी पहचान हो चुकी है. जिसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा. पुलिस आरोपी के बारे में आशंका जाता रही है कि वह चाइल्ड एब्यूजर हो सकता है.

दिल्ली में हर दिन ५ महिलाओं का रेप, ८ का हो रहा उत्पीड़न

नई दिल्ली : राजधानी में बीते साल हर दिन औसतन पांच महिलाओं से बलात्कार और आठ महिलाओं का उत्पीड़न हुआ है। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक बीते साल बलात्कार के २,०४३ मामले दर्ज किए गए। २०१७ में यह संख्या २,०५९ जबकि २०१६ में २,०६५ थी। बीते साल उत्पीड़न के ३,१७५ मामले सामने आए। २०१७ में यह संख्या ३,२७५ और २०१६ में ४,०३२ थी। पुलिस ने कहा कि बलात्कार के ज्यादातर मामलों में आरोपी पीड़िता के परिचित निकले।दिल्ली पुलिस के विश्लेषण के मुताबिक बलात्कार के ४३ प्रतिशत मामलों में आरोपी या तो दोस्त या पारिवारिक दोस्त निकले। १६.२५ प्रतिशत मामलों में पड़ोसी, २.८९ प्रतिशत मामलों में सहकर्मी और २२.८६ प्रतिशत मामलों में दूसरे जानकार लोग आरोपी निकले। पुलिस ने कहा कि महज २.५ प्रतिशत मामलों में ही आरोपी पीड़ित के अपरिचित निकले। हालांकि बीते वर्षो के मुकाबले इसमें कमी आई है। दिल्ली पुलिस ने महिला सुरक्षा को लेकर दिल्ली सरकार से कई अनुरोध किए हैं, जिनमें झुग्गी झोपड़ियों और महिलाओं के खिलाफ अपराध की ज्यादा घटनाओं वाले इलाकों में जागरुकता और शिक्षा कार्यक्रम चलाने, अंधेरे वाली जगहों पर लाइटें लगाने और विद्यालय में आत्मरक्षा का पाठ्यक्रम शुरू करने जैसे अनुरोध शामिल हैं।

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे से मिले मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे, बेटे अमित की शादी का दिया न्योता

मुंबईः अपने बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहने वाले महाराष्ट्र नव निर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे के घर इन दिनों शादी की तैयारियां जोरों पर है. दरअसल, इसी महीने उनके बेटे अमित ठाकरे की शादी होने वाली है. इसके लिए राज ठाकरे अपने रिश्तेदारों और करीबियों को शादी का न्योता देने खुद उनके पास पहुंच रहे हैं. इसी कड़ी में बेटे अमित की शादी के लिए राज ठाकरे अपने भाई और शिव सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को न्योता देने के लिए उनके घर मातोश्री पहुंचे. जानकारी के अनुसार, राज ठाकरे के बेटे की शादी २७ जनवरी को होनेवाली है और इस शादी का न्योता देने के लिए राज अपने भाई उद्धव ठाकरे के घर पहुंचे. बता दें कि राजनीति से दूर रहने वाले अमित ठाकरे कॉमर्स से स्नातक हैं और उनकी सगाई बीते ११ दिसंबर को हुई थी.राज ठाकरे की होने वाली बहू का नाम मिताली बोरुडे बताया जा रहा है. पेशे से वो एक फैशन डिजाइनर हैं और वो अमित को बचपन से जानती हैं. अमित स्वभाव से काफी शांत व शर्मिले हैं और जल्द ही शादी के पवित्र बंधन में बंधने जा रहे हैं.गौरतलब है कि जिस तरह से उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे, राजनीति में एक-दूसरे से कट्टर प्रतिस्पर्धी माने जाते हैं ठीक उसी तरह से अमित ठाकरे को उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे को भी प्रतिस्पर्धी के तौर पर देखा जाता है.

महाराष्ट्र के कैलेंडर में भीम राव आंबेडकर और ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि नहीं, कांग्रेस-एनसीपी ने की निंदा

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार के २०१९ के कैलेंडर में दलित नेता बीआर आंबेडकर और १९वीं सदी के सामाजिक सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथियों का जिक्र नहीं है. घटनाक्रम के सामने आने के बाद, शनिवार को राकांपा ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस से माफी की मांग की तो कांग्रेस ने उनसे 'जबर्दस्त गलती' की नैतिक जिम्मेदारी लेने को कहा.सूचना और जनसंपर्क महानिदेशालय (डीजीआईपीआर) द्वारा प्रकाशित कैलेंडर में २८ नवंबर को पड़ने वाली फुले की पुण्यतिथि तथा छह दिसंबर को पड़ने वाली आंबेडकर की पुण्यतिथि का जिक्र नहीं है. इसबीच, डीजीआईपीआर ने एक बयान में शनिवार को कहा कि २०१३ में लिए गए निर्णय के अनुसार, सरकारी स्तर पर केवल जयंतियां ही मनाई जाती हैं.इसलिए सरकारी कैलेंडर में सिर्फ जयंतियों का जिक्र है न कि पुण्यतिथियों का. बयान में कहा गया है कि कैलेंडर में बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर और महात्मा फुले की जयंतियों का जिक्र है. इस बीच, राकांपा प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने दावा किया कि कैलेंडर में महावीर जयंती और बुद्ध पूर्णिमा की तारीखें तक गलत हैं.उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महान विभूतियों के नामों का इस्तेमाल कर चुनाव जीतना चाहती हैं लेकिन वह यह भी सुनिश्चित करना चाहती है कि उनकी यादें लोगों के ज़ेहन से मिट जाए.

मुंबई का 'टिकट' चाहते हैं बब्बर और अजहर

मुंबई, आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को हराने की रणनीति बनाने में जुटी कांग्रेस के सामने उसके ही नेता असमंजस की स्थिति पैद कर रहे हैं। दरअसल, अभिनेता और उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राज बब्बर और पूर्व क्रिकेटर और तेलंगाना कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद अजहरुद्दीन ने आगामी लोकसभा चुनाव मुंबई से लड़ने की इच्छा जताई है। बब्बर ने आगरा से २००९ में जीत हासिल कर लोकसभा में कदम रखा था लेकिन २०१४ में पूर्व सेना प्रमुख वीके सिंह ने उन्हें हरा दिया था। इस बात से सभी हैरान हैं कि कांग्रेस के दो राज्यों के अध्यक्ष अपने-अपने राज्यों से लड़ने की जगह पर मुंबई से लड़ना चाहते हैं।

सीनियर कांग्रेस नेताओं को उम्मीद है कि अब जब चुनावों में कुछ ही महीने बाकी रह गए हैं, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी मुंबई यूनिट में हो रही गुटबाजी को खत्म करने के लिए जरूरी कदम उठाएंगे। संजय निरूपम के सिटी यूनिट का जिम्मा संभालने के बाद मिलिंद देवड़ा, कृपा शंकर सिंह और नसीम खान ने राहुल से उन्हें हटाने की रिक्वेस्ट की है लेकिन एक और धड़ा है जो इसके खिलाफ है। कांग्रेस के एक सीनियर नेता का कहना है कि राहुल को एक-दूसरे के खिलाफ खड़े धड़ों से साथ काम करते हुए बीजेपी को हराने के बारे में सोचने के लिए कहना चाहिए। निरूपम ने इस बात की पुष्टि की है कि बब्बर और अजहर ने मुंबई से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि अजहर ने उनसे इस बारे में बात की है और इस बारे में फैसला कांग्रेस नेतृत्व को करना है। बता दें कि निरूपम को नॉर्थ मुंबई में बीजेपी के गोपाल शेट्टी ने भारी अंतर से हरा दिया था। माना जा रहा है कि निरूपम नॉर्थ-वेस्ट मुंबई से चुनाव लड़ सकते हैं जहां से स्वर्गीय गुरुदास कामत लंबे समय से लड़ते चले आ रहे थे। २०१४ में कामत को शिवसेना के गजानन कीर्तिकार के हाथों हार झेलनी पड़ी थी।

प्रेमी ही निकला 'जिगर के टुकड़े' का कातिल, मां ने ऐसे लिया बदला

चेन्नईः ये कोई फिल्मी कहानी नहीं बल्कि हकीकत है। एक प्रेमिका अपने प्रेमी के साथ जिंदगी के हसीन सपने देखती है। लेकिन उसे ये नहीं पता कि जिसके साथ वो आगे की सफर पर आगे बढ़ने का फैसला करती है वो उसके ही बेटे का कातिल निकलेगी। प्रेमिका को जब अपनी प्रेमी की इस हरकत का पता चलता है तो वो अपने जिगर के टुकड़े के हत्यारे यानि अपने प्रेमी को रास्ते से हटाने का फैसला करती है और भाड़े के हत्यारों के जरिए उसकी जिंदगी का द एंड कर देती है। फिल्मी पैटर्न चलने वाली इस कहानी में अलग अलग किरदारों को समझने की जरुरत है। चेन्नई के नेसपक्कम इलाके में मंजुला नाम की एक महिला अपने पति कार्तिकेयन के साथ हंसी खुशी जिंदगी गुजार रही होती है। मंजुला को कार्तिकेयन से ९ साल का बेटा रीतेश साई है। मंजुला, तमिलनाडु ईबी सर्विस में इंजीनियर का काम करती है। दोनों की जिंदगी सरपद दौड़ रही होती है। लेकिन इसी बीच नागार्जुन नाम के शख्स की एंट्री होती है। नागार्जुन और मंजुला की आंखें दो से चार होती है और दोनों एकदूसरे को दिल दे बैठते हैं। वक्त के साथ सब कुछ सही चल रहा होता है। लेकिन कहीं न कहीं मंजुला का ९ साल का बेटा रीतेश को नागार्जुन अपनी राह का रोड़ा मानता है और उसे रास्ते से हटाने का फैसला करता है। नागार्जुन, रीतेश की हत्या कर देता है और तफ्तीश के बाद जब शक, हकीकत में बदलता है तो नागार्जुन को जेल हो जाती है। कुछ महीने जेल में गुजारने के बाद नागार्जुन वापस सामान्य जिंदगी में लौटता है लेकिन इस हकीकत से वो अंजान है कि अब उसकी जिंदगी के कुछ पल ही बचे हैं।

अगर सुप्रीम कोर्ट में गया मामला तो बढ़ेगी सरकार की मुश्किलें, इन चुनौतियों का करना होगा सामना

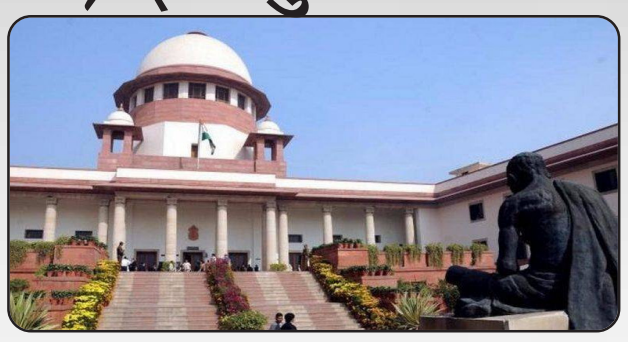

केंद्र की मोदी सरकार ने गरीब सवर्णों को सरकारी नौकरियों और शैक्षिक संस्थानों में १० फीसदी आरक्षण देने का फैसला किया है. सामान्य वर्ग के गरीबों के आरक्षण से जुड़ा बिल मंगलवार को लोकसभा में पास हो गया और बुधवार को राज्यसभा में इसके लिए बहस जारी है. राज्यसभा में भी इस बिल के पास होने की संभावनाएं जताई जा रही हैं. दोनों सदनों से भले ही इस बिल को ग्रीन सिग्नल मिल जाए लेकिन सुप्रीम कोर्ट इस पर क्या फैसला देगा यह बड़ा सवाल है. क्या यह बिल एए में टिक पाएगा ? क्यों कि शीर्ष अदालत पहले ही यह बात साफ कर चुकी है कि आरक्षण किसी भी स्थिति में आरक्षण ५० फीसदी से ज्यादा नहीं हो सकता.एक तरफ सुप्रीम कोर्ट जहां आरक्षण की सीमा ५० फीसदी बता चुका है वहीं केंद्र सरकार द्वारा गरीब सवर्णों के लिए १० फीसदी सीटें आरक्षित करने से आरक्षण ६० फीसदी तक हो जाएगा. लोकसभा में मंगलवार को इस मुद्दे पर जोरदार बहस हुई. केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा कि गरीब सर्वणों के आरक्षण से SC के ५० फीसदी आरक्षण के नियम का उल्लंघन नहीं होगा.

वित्त मंत्री ने दिया यह तर्क : वित्त मंत्री ने सदन में आरक्षण का गणित समझाते हुए कहा 'सुप्रीम कोर्ट ने ५० फीसदी की जो सीमा लगाई है वो सीमा केवल जाति आधारित आरक्षण के लिए लगाई. इसके लिए तर्क ये था कि सामान्य वर्ग के लिए कम से कम ५० फीसदी तो छोड़ी जाएं नहीं तो एक वर्ग को उबारने के लिए दूसरे वर्ग के साथ भेदभाव हो जाता. इस लिहाज से मौजूदा बिल सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के पीछे की भावना के खिलाफ नहीं है. '' वित्त मंत्री के अनुसार यह बिल सुप्रीम कोर्ट में पास हो जाएगा. क्यों कि इस बिल में एए के किसी नियम का उल्लंघन नहीं हो रहा है. १० फीसदी आरक्षण समाज के उसी वर्ग को दिया जा रहा है जिससे ध्यान में रखते हुए आरक्षण की सीमा निर्धारित की गई थी, और यह आरक्षण आर्थिक आधार पर दिया जा रहा है.गौरतलब है कि अब तक भारत के संविधान में आर्थिक आधार पर आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है. यही वजह रही कि १९९१ में जब पीवी नरसिंह राव सरकार ने आर्थिक आधार पर १० फीसद आरक्षण देने का प्रस्ताव किया था तो सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय पीठ ने उसे खारिज कर दिया था. अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा था कि 'संविधान में आरक्षण का प्रावधान सामाजिक गैर-बराबरी दूर करने के मकसद से रखा गया है, लिहाजा इसका इस्तेमाल गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तौर पर नहीं किया जा सकता'.

इंदिरा साहनी केस सुप्रीम कोर्ट में क्यों हुआ फेल : इंदिरा साहनी बनाम भारत सरकार के नाम से चर्चित मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आर्थिक आधार पर आरक्षण दिया जाना संविधान में वर्णित समानता के मूल अधिकार का उल्लंघन है. अपने फैसले में आरक्षण के संवैधानिक प्रावधान की विस्तृत व्याख्या करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- 'संविधान के अनुच्छेद १६ (४) में आरक्षण का प्रावधान समुदाय के लिए है, न कि व्यक्ति के लिए. आरक्षण का आधार आय और संपत्ति को नहीं माना जा सकता'.सुप्रीम कोर्ट ने संविधान सभा में दिए गए डॉ. आंबेडकर के बयान का हवाला देते हुए सामाजिक बराबरी और अवसरों की समानता को सर्वोपरि बताया था. बाद में सुप्रीम कोर्ट के इसी फैसले के बाद राजस्थान, गुजरात, हरियाणा जैसे राज्यों की सरकारों के इसी तरह के फैसलों को उन राज्यों की हाई कोर्टों ने भी खारिज किया. इंदिरा साहनी केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि किसी भी सूरत में ५० फीसदी से ज्यादा आरक्षण नहीं हो सकता क्योंकि एक तरफ हमें मेरिट का ख्याल रखना होगा तो दूसरी तरफ हमें सामाजिक न्याय भी देखना होगा.

विरोधियों ने बताया असंवैधानिक : सवर्ण आरक्षण पर विरोधियों का मानना है कि सामान्य वर्ग में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए नौकरियों और शिक्षा में १० फीसदी आरक्षण लाने की सरकार की योजना, संविधान के मूल सिद्धांतों के विपरीत है. इस कोटा को लागू कर पाने में तमाम कानूनी अड़चने हैं. यह कोटा वर्तमान में मौजूद ५० फीसदी आरक्षण की सीमा से ऊपर होगा. यह बिल संविधान के मूलभूत सिद्धांत के विरुद्ध है. संविधान ने केवल उन जातियों को आरक्षण दिया है कि जिन्हें जातीय आधार पर सदियों से सामाजिक पिछड़ेपन का सामना करना पड़ा.'

शिवसेना ने बीजेपी और आरएसएस पर साधा निशाना कहा-सबरीमाला और राम मंदिर पर अलग-अलग रुख क्यों

मुंबईः शिवसेना अपनी सहयोगी पार्टी बीजेपी को राम मंदिर निर्माण को लेकर कदम-कदम पर घेरने की कोशिश कर रही है. शनिवार को शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में लेख लिखकर, सबरीमाला और राम मंदिर निर्माण को लेकर एक बार फिर मोदी सरकार को घेरा है. सामना के मुखपत्र में कहा गया है कि हिंदुत्व के नाम पर इन दिनों देश में जिस तरह का तमाशा जारी है. ऐसा कांग्रेस के शासन में भी नहीं देखने को मिला था. वहीं लेख में आगे कहा गया है कि देश के दो प्रमुख मंदिरों को लेकर जनभावनाएं तेज हैं. पहला राम मंदिर और दूसरा केरल का सबरीमाला मंदिर. इन दोनों मंदिरों के बारे में बीजेपी और संघ परिवार की भूमिका स्वतंत्र यानी दोनों तरफ से 'मृदंग' बजाने के समान है.शिवसेना ने लेख के जरिये पीएम मोदी पर हमला करते हुए कहा है कि उनका विचार है, ''राम मंदिर मुद्दे को लेकर अदालत में जो नतीजा आएगा उसे आने दो, संघ की प्रमुख की मंडलियां उस पर ठंडी प्रतिक्रियाएं दे रही हैं. वहीं दूसरी तरफ केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को प्रवेश देने के अदालती निर्णय को बीजेपी व संघ मानने को तैयार नहीं.'' ऐसे में सरकार का अलग -अलग रुख क्यों ? शिवसेना ने भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा है कि केरल में आरएसएस ने बीजेपी की मदद से महिला मंदिर प्रवेश के मुद्दे को भड़काया. इस मामले को लेकर केरल में हिंसा भड़क उठी है. संघ के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर कानून हाथ में ले रहे हैं. गोलीबारी में लोग मारे जा रहे हैं. पत्रकार और पुलिसवालों पर हमले जारी हैं. ये सब बीजेपी की वजह से हो रहा है. मंदिर निर्माण को लेकर शिवसेना का कहना है कि राम मंदिर निर्माण लोगों के आस्था का सवाल है. ऐसे में केंद्र सरकार को चाहिए कि वह मंदिर निर्माण के लिए अध्यादेश लाए और मंदिर बनवाए लेकिन सरकार है कि वह करोडो लोगों के जनभावनाओं की तरह ध्यान देने को तैयार नहीं है. मगर सबरीमाला मंदिर मामले में 'मृदंग' जनभावना को ही महत्व दे रही है. लेख के जरिये शिवसेना ने संघ पर भी हमला करते हुए कहा है कि केरल में मंदिर और हिंदुत्व की रक्षा के लिए 'संघ' सड़क पर उतरा है. मगर अयोध्या के राम मंदिर मुद्दे पर वो ठंडा पड़ा है. मंदिर अयोध्या में ही होगा, ऐसा सर संघचालक कहते हैं मगर कब, समय नहीं बताते हैं.

प्रिया दत्त नहीं लड़ना चाहती है लोकसभा का चुनाव, राहुल गांधी को ईमेल भेजकर बताई ये वजह

मुंबईः लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी के लिए मुंबई से एक बड़ा झटका लगा है. कांग्रेस की पूर्व सांसद प्रिया दत्त ने मुंबई की उत्तर मध्य लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है. उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को ईमेल भेजकर कहा है कि वे २०१९ का लोकसभा चुनाव को नहीं लड़ना चाहती हैं. खबरों की माने तो उनके द्वारा लिखे खत में उन्होंने अपने निजी कारणों के साथ-साथ पार्टी में पिछले कुछ दिनों से चल रहे गुटबाजी का भी जिक्र किया है.प्रिया दत्त ने एएनआई को दिए अपने बयान में कहा कि बीते पिछले साल मेरे लिए रोमांचक और ज्ञानवर्धक रहे हैं. हालांकि, मैंने अपने व्यक्तिगत और राजनीतिक जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए काफी संघर्ष किया. मुझसे जितना बन सका उतने में ही मैंने अपना बेस्ट देने की कोशिश की. प्रिया के लिए यह पहली बार नहीं है जब उन्हें पार्टी के अंदर नेताओं की गुटबाजी पर अपना असंतोष जाहिर किया है इसके पहले भी वह बार-बार इसकी शिकायत कर चुकी हैं. लेकिन पार्टी में गुटबाजी की वजह से उनकी बातें नहीं सुनी जा रही थी. ऐसे में उन्हें तब इस बात का और झटका लगा जब उन्हें सितंबर २०१८ में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव पद की जिम्मेदारी पद हटा दिया गया. वहीं प्रिया दत्त के इस फैसले के बाद ऐसा कहा जा रहा है कि पार्टी की तरफ से इस सीट से किसी नए उम्मीदवार को उतारने के लिए नाम पर विचार होना शुरू हो गया है. ऐसा कयास लगाया जा रहा है कि कांग्रेस किसी फिल्मी सितारे को इस सीट से टिकट देकर चुनाव लड़ा सकती है. इनमें नगमा, राज बब्?बर के अलावा क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन नाम शामिल है.

एमडी प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रही २४ वर्षीय महिला डॉक्टर ने किया सुसाइड, १२वीं मंजिल के लगाई छलांग

ठाणे : ठाणे के कोलशेट इलाके में एमडी पाठ्यक्रम की प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रही २४ वर्षीय एक महिला डॉक्टर ने 'परीक्षा का दबाव' नहीं झेल पाने के कारण शनिवार को अपनी इमारत की १२वीं मंजिल से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी।पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एक असत्यापित सुसाइड नोट बरामद हुआ है। समझा जाता है कि इसे डॉक्टर ने शर्मिष्ठा सोम ने लिखा है। सुसाइड नोट में सोम ने आत्महत्या के लिये 'पढ़ाई के दबाव' को जिम्मेदार बताया है। सोम की मां ठाणे में जानी मानी त्वचा रोग विशेषज्ञ हैं।

कापुरबावड़ी थाना के निरीक्षक अरविंद करपे ने बताया, 'प्रतीत होता है कि यह सुसाइड नोट मृतका ने ही लिखा था। इसमें लिखा है कि वह एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन) पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा को लेकर पढ़ाई का दबाव नहीं झेल पा रही है।' प्रारंभिक सूचना के अनुसार सुबह करीब सात बजे उसने अपने फ्लैट से छलांग लगाई थी।करपे ने बताया कि इस संबंध में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है और सोम के शव को पोस्टमॉर्टम के लिये भेज दिया गया है। एमबीबीएस स्नातकों को स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में दाखिला के लिये नीट पीजी (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा, स्नातकोत्तर) की परीक्षा पास करनी होती है।

माता-पिता से अलग हुई १५ वर्षीय किशोरी के साथ युवक ने किया ६ महीने तक किया बलात्कार, गिरफ्तार

पणजीः दक्षिण गोवा से २२ वर्षीय युवक को १५ वर्षीय किशोरी के साथ कई बार कथित रूप से बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने शनिवार को बताया कि आरोपी ने बीते छह महीने के दौरान पीड़िता के साथ उसके एक रिश्तेदार के घर पर कई बार कथित रूप से बलात्कार किया. उन्होंने बताया कि पीड़िता के माता-पिता कुछ महीने पहले अलग हो गए थे जिसके बाद वह कानाकोना गांव में अपनी एक रिश्तेदार के यहां रह रही थी.

तभी वह आरोपी के संपर्क में आई. मुल्जिम की पहचान समीर वेलिप के रूप में हुई है. पुलिस के मुताबिक, वेलिप पीड़िता के रिश्तेदार के घर पर उससे बलात्कार करता था. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि महिला को अपराध के बारे में पता था लेकिन उसने पुलिस में इसकी शिकायत नहीं की. उन्होंने कहा कि किशोरी ने तीन जनवरी की रात को अपनी रिश्तेदार को बिना सूचित करे उसका घर छोड़ दिया और अपनी एक महिला मित्र के साथ रहना शुरू कर दिया.

उसकी रिश्तेदार ने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई जिसके बाद पुलिस ने उसे ढूंढा और उसका बयान दर्ज किया. कोनाकोना के निरीक्षक राजेंद्र प्रभु देसाई ने कहा, 'अपना बयान दर्ज कराने के दौरान किशोरी ने पुलिस को बताया कि पिछले महीने में आरोपी ने कई बार उसके साथ बलात्कार किया.' वेलिप के खिलाफ गोवा बाल अधिनियम और पॉक्सो कानून के तहत मामला दर्ज किया गया.

तीन बच्चों को मौत के घाट उतारने के बाद महिला ने की खुदकुशी की कोशिश, पति की प्रताड़ना से थी परेशान

भागलपुरः बिहार के भागलपुर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. बताया जा रहा है कि अपने पति की प्रताड़ना से परेशान होकर महिला ने पहले अपने ३ मासूम बच्चों को मौत के घाट उतार दिया फिर उसने आत्महत्या की कोशिश की. दरअसल, भागलपुर जिले के बाथ थाना अंतर्गत करहरिया गांव निवासी एक महिला के कथित तौर पर अपने पति की प्रताड़ना से तंग आकर अपने तीन बच्चों की हत्या करने के बाद शुक्रवार-शनिवार की रात आत्महत्या करने का प्रयास किया.इस मामले की तफ्तीश कर रहे पुलिस उपाधीक्षक नेसार अहमद ने शनिवार को बताया कि मृतकों में चार वर्षीय सुशांत, दो वर्षीय सोनम और एक वर्षीय ओमराज शामिल हैं. उन्होंने बताया कि इस मामले में महिला प्रेमलता देवी और उनके पति देवेश कुमार को गिरफ्तार कर पुलिस पूछताछ कर रही है.प्रेमलता ने आरोप लगाया कि उसका पति देवेश आए दिन उसके साथ मारपीट किया करता था, जिससे तंग आकर वह यह कदम उठाने को विवश हुई. प्रेमलता ने आरोप लगाया है कि बीती रात नशे में धुत देवेश ने उसके साथ मारपीट की जिससे आहत होकर उसने पहले अपने तीनों बच्चों को घर के शौचालय की टंकी में फेंक दिया और बाद में खुद भी टंकी में कूद गई.बताया जा रहा है कि देवेश के परिजनों ने मौके पर पहुंचकर प्रेमलता को मरने से बचा लिया, लेकिन वो उनके बच्चों को नहीं बचा पाए,

हमें खेद है

हमारे पिछले शुक्रवार २८ सितंबर २०१८ से ३ जनवरी २०१५ के अंक में पहले ही पृष्ठ पर लेखिका, हुस्न बानो नुर मोहम्मद की कलम से... एक आर्टिकल ''नए साल का तोहफा'' (जीएसटी टैक्स हुए कम, जनता को मिलेगी राहत) इस आर्टिकल में नीचे की तरफ नए जीएसटी टेक्स का एक खाका दिया गया था, इस प्रकार

नए जीएसटी रेट के अनुसार :

उस चके में चौथे नंबर पर (४) ५१७ गुड्स पर १८% जीएसटी टैक्स लागू है, गलती से १८% की बजाए २८ छप गया है, क्योंकि २८% का स्लैब एक रिपोर्ट के अनुसार समाप्त हो चुका है। ज़ुल्म के खिलाफ़ आवाज़ इस गलती के लिए अपने पाठकों से माफी चाहता है। पाठक उस में सुधार कर लें। हमें उस गलती के लिए खेद है।

- प्रकाशक

श्रीनगर के कुपवाड़ा में एक ही परिवार के ५ सदस्यों की मौत, जांच में जुटी पुलिस

श्रीनगर: जम्मू एवं कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में शनिवार को रहस्यमयी परिस्थितियों में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई. पुलिस ने यह जानकारी दी. मृतकों में दो महिलाएं, एक पुरुष और दो बच्चे हैं, जो बेमिना क्षेत्र में मृत पाए गए. यह परिवार कुपवाड़ा जिले से है और यहां किराए पर रह रहा था.

इस परिवार परिवार के मौत की खबर पाकर पुलिस घटना स्थल पर पहुंची. जिसके बाद सभी का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस का कहना है कि परिवार में सभी लोगों की मौत दम घुटने की वजह से हुई है. लेकिन मेडिकल जांच के बाद ही इसका सही पता चल पाएगा कि मौत किन परिस्थियों में हुई है.

ऑल इंडिया मजलिस ए-इत्तेहादुल मुसलमिन मुंबई ०९-०१-२०१९ मुंबई अध्यक्ष जनाब शाकिर अब्दुल रहमान पटनी साहब ने मुस्लिम कौंसिल ट्रस्ट के द्वारा रखा गया रूबरू गेट-टू-गेदर में सिरकत किये जहां मुंबई कमिश्नर (ग्रेटर मुंबई) आनरेबल सुबोध कुमार जायसवाल साहब और बहुत से आईपीएस अधिकारी भी मौजूद थे। बहुत से और जानी मानी शख्सीयत मुंबई की मौजूद थी और यहां हमारे एआईएमआईएम मुंबई अध्यक्ष जनाब शाकिर अब्दुल रहमान पटनी साहब का जोरशोर से इस्तकबाल भी किया गया। इस प्रोग्राम में शाकिर पटनी और इनकी इज्जत अफजाई की। जोगेश्वरी विधानसभा के मुराद हुसैन (एआईएमआईएम) ने खुशी जाहिर की।

अगर RBI ने मानी नेपाल की बात

...तो सीमा पार भी चलेंगे २००, ५०० और २००० के नोट

नई दिल्ली: नेपाल ने भारतीय रिजर्व बैंक से चलन में डाले गए १०० रुपये से ऊंचे मूल्य के नए भारतीय नोट को इस पड़ोसी देश में भी लेन देन के लिए वैध मुद्रा बनाने का अनुरोध किया है. रविवार को मीडिया की खबरों में इसकी जानकारी दी गई.दी हिमालयन टाइम्स की खबर के अनुसार, नेपाल के केंद्रीय बैंक नेपाल राष्ट्र बैंक ने रिजर्व बैंक से २०० रुपये, ५०० रुपये और २००० रुपये के नए भारतीय नोटों को नेपाल में वैध मुद्रा बनाने की मांग की है. नेपाल राष्ट्र बैंक ने इसके लिए आरबीआई से विदेशी विनिमय प्रबंधन अधिनियम के तहत अधिसूचना जारी करने का अनुरोध किया है. उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने नेपाल में १०० रुपये और इससे कम के नोटों के चलन को ही कानूनी रूप से स्वीकार्य बनाया है. आरबीआई यहां केवल इन्हीं नोटों को नेपाली रुपये में बदलने की सुविधा देता है. नोटबंदी भारत में आठ नवंबर २०१६ को ५०० रुपये और एक हजार रुपये के पुराने नोट के बंद हो जाने से पहले रिजर्व बैंक ने एक फेमा अधिसूचना के जरिये नेपाली नागरिकों को २५ हजार रुपये मूल्य के बराबर भारतीय नोट रखने की छूट दी थी.

बिल्डिंग की छत से गिरकर वरिष्ठ पत्रकार की मौत..!

आसिफ खान

मुंबई, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के उपनगरीय क्षेत्र गोरेगांव में रविवार को ४९ वर्षीय एक अनुभवी मीडियाकर्मी की एक बिल्डिंग की छत से गिरने से मौत हो गई। गोरेगांव थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय भोले ने बताया कि गोरेगांव पश्चिम के सिद्धार्थ नगर की त्रिमूर्ति सोसायटी फ्लैट न. ७०३ में सातवें मंजिल पर रहने वाले आदर्श मिश्रा सुबह की सैर के लिए छत पर गए थे। वहां से वह नीचे गिर गए। भोले के अनुसार अब तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह दुर्घटना है

या आत्महत्या? आदर्श मिश्रा प्रतिदिन छत पर घूमने जाते थे।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक भोले ने कहा, बिल्डिंग न. २ के सातवें मंजिल पर लगे सीसीटीवी में मिश्रा ट्रैक पैंट और टी शर्ट पहने हुए सीढ़ी पर छत की ओर जाते हुए नजर आ रहे हैं। उनके हाथ में रुमाल है। उन्होंने बताया कि इस बिल्डिंग की लॉबी में लगे एक अन्य सीसीटीवी में वह सुबह करीब साढ़े दस बजे छत से गिरते हुए नजर आ रहे हैं। लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि वह कैसे गिरे? पुलिस अधिकारी के अनुसार मिश्रा को समीप के सिद्धार्थ अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।बता दें कि आदर्श मिश्रा पत्रकारिता में एक-जाना पहचाना नाम था। कई अख़बारों में उनका लेख प्रकाशित होता था।मुझे यह खबर मिली तो इस पर विश्वास करना मेरे लिए अत्यंत दुःखद था! ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार को साहस दें।

क्या मनपा के/पूर्व विभाग के भ्रष्ट सहाय्यक अभियंता अनिल हरणे ने मनपा विभाग को मिलने वाले राजस्व के लाखों रुपये का लगाया चुना?

कब खुलेगी अधिकारियों की आँखे... कितनी तबाही का इंतजार है लाखों की रिश्वत आम आदमी के जीवन पर भारी पड़ रही है

ओ. पी. तिवारी

अंधेरी : बृहन्मुंबई महानगरपालिका अधीन अंधेरी ''के'' पूर्व वार्ड में अवैध कार्यों का बोलबाला है। किनारा हॉटेल, कमला मील या एमआईडीसी के कामगार अस्पताल में लगी आग से भारी जानमाल का नुकसान हो या गोरेगाँव में ढही दो मंजिला इमारत, इन्हें इससे कोई सरोकार नहीं। सूचना के अधिकार कार्यकर्ता राजू राठौड़ के हवाले से खबर है कि के पूर्व प्रभाग में अवैध वसूली करके अभियंता अनधिकृत निर्माण को बढ़ावा दे

राजू राठौड
आर.टी.आई. कार्यकर्ता

रहे हैं। खबर है कि अंधेरी पूर्व के न्यू नागरदास रोड पर ' अम्बिका टिंबर मार्ट ' नामक लकड़ी के बखार का अवैध निर्माण महा भ्रष्ट कनिष्ठ अभियंता दीपक मांजरे की सह पर हुवा । सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दीपक मांजरे एच पश्चिम से व एक बार इस वार्ड से भ्रष्टाचार के आरोप में निलंबित हो चुका है। अम्बिका टिंबर मार्ट के २००० वर्गफीट के अवैध निर्माण में स्थानीय नगरसेवक व सहायक अभियंता अनिल हरने की मिलीभगत की भी खबर है। बताया गया कि दोनों की सह से दीपक मांजरे ने उक्त कार्य को अंजाम दिलाया। इसी तरह जोगेश्वरी के गुफा रोड पर प्रेमसन इंडस्ट्रियल संकुल में गाला संख्या १०१ ,१०२ ,१०३ ,१०४ में कई हजार वर्गफुट का अवैध निर्माण किया गया। जिसे पहले तो सह देकर पूरा कराया गया बाद में उसे न्यायालय का रास्ता दिखाकर रोकथाम आदेश पारित करवा लिया गया। मोगरा पाड़ा स्थित यूनिवर्षल इंडस्ट्रियल में अवैध गेस्टहाउस की बाबत सामाजिक संस्थाओं की शिकायत पर आंशिक तौर पर तोड़क कार्रवाई करके पुनः निर्माण का रास्ता दिखा दिया गया। गौरतलब यह है कि इतने भयानक हादसे अवैध निर्माण के चलते शहर में हो रहे हैं बावजूद इसके मनपा अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त इन्हें तोड़ने के बजाय संरक्षण दे रहे हैं कियु?

क्या इनका जमीर मर चुका है..., क्या ये करदाताओं के गाढ़े पसीने की कमाई से खिलवाड़ नहीं कर रहे है। किसी कारण वश वार्ड अधिकारी प्रशांत सपकाळे ने दीपक मांजरे को निलंबित करदिया, राजेन्द्र राठौड़ को इस क्षेत्र का कार्यभार सौंपा गया जिनका एक्सिडेंट हो गया। उनके बाद सूरज जाधव आये और अब दिनेश खरटमोल मनपा वार्ड ७२ के क्षेत्रीय अभियंता बनाये गये हैं। राजू राठौर ने खरटमोल को संबंधित अवैध बाँधकामों से अवगत कराया तो उन्होंने सहायक अभियंता अनिल हरने से मिलने की सलाह दी। अनिल हरने ने बताया कि कथित अवैध निर्माणों पर कार्रवाई करने से विकासकों का खासा नुकसान हो सकता है। मजे की बात यह है कि अनिल हरने को अवैध निर्माण कर्ताओं के नुकसान की चिंता है किंतु सरकारी राजस्व की जो हानि हो रही है उसकी परवाह नहीं है। आगामी भविष्य में इन अवैध निर्माणों के चलते किसी हादसे में जानमाल के नुकसान की फिक्र नहीं है। अखबार के माध्यम से प्रभाग अधिकारी प्रशांत सपकाळे के संज्ञान में तथाकथित भ्रष्टाचार की जानकारी दी जारही है। उनसे यह उम्मीद की जाती है कि उक्त सभी अवैध निर्माणों पर तोड़क कार्रवाई करते हुये भ्रष्टाचार में शामिल अभियंताओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए।

उत्तर प्रदेश पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

एग्जाम में फेरबदल करने वाले प्रिंसिपल समेत १३ लोगों को किया गिरफ्तार

लखनऊ : उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने राज्य में आज हुई सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा में अभ्यार्थी की जगह दूसरे लोगों से परीक्षा दिलाने वाले गिरोहों का भंडाफोड़ करते हुए एक इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य समेत कुल १३ लोगों को गिरफ्तार किया है. इनमें से नौ को लखनऊ में,जबकि चार को इलाहाबाद में पकड़ा गया. एसटीएफ के सूत्रों ने यहां बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी मण्डलो में आज हुयी सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा में गिरोह के सक्रिय होने की सूचनायें मिल रही थीं. इस पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ ने लखनऊ स्थित नेशनल कॉलेज के प्रधानाचार्य उमाशंकर सिंह, गिरोह के मुख्य सरगना अरुण कुमार सिंह, कक्ष निरीक्षक शाहनूर, दयाशंकर जोशी, अशोक कुमार मिश्र, विजय कुमार मिश्र, राम इकबाल, अभ्यर्थी खुर्शेद आलम तथा बिरकेश यादव को गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ में मुख्य अभियुक्त अरूण कुमार ने बताया कि वह पुलिस में आरक्षी के पद पर लखनऊ में तैनात है. उसका भाई अजय कुमार सिंह भूगर्भ जल विभाग में मेरठ में तैनात है. अजय काफी समय से इस गिरोह का संचालन कर रहा है.

रूद्रपुर में कांग्रेसी नेता की हत्या, भाजपा नेता के बेटे पर आरोप

नई दिल्ली: उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर जिले के रूद्रपुर में संजय नगर क्षेत्र में शुक्रवार को दिनदहाड़े एक भाजपा नेता के पुत्र ने कथित तौर पर एक कांग्रेसी नेता की गोली मार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद कथित हत्यारा अपने साथियों के साथ फरार हो गया, लेकिन लोगों ने आरोपी के पिता को पकडकर जमकर पीटा और अधमरा कर दिया । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बरिंदरजीत सिंह ने बताया कि रूपयों के लेनदेन को लेकर दोनों पक्षों के बीच पंचायत हो रही थी और इसी दौरान हत्या हो गई। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, संजय नगर में लग रहे सब्जी बाज़ार के लिए गठित बाजार कमेटी को लेकर दो पक्षों के बीच पंचायत हो रही थी। इस कमेटी से कुछ दिन पहले हटाये गये भाजपा के पूर्व पार्षद सुभाष विश्वास ने कमेटी के चार लाख रूपये जमा नहीं किये थे और इसी को लेकर पंचायत रखी गई थी।पंचायत में कांग्रेस नेता डा नीरज बडोई भी शामिल थे। पंचायत के बाद जब सब लोग जाने लगे तो विश्वास के पुत्र संजू ने कथित तौर पर कांग्रेस नेता डॉ नीरज के सिर से तमंचा सटा कर गोली मार दी जिससे नीरज की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी साथियों के साथ मौके से फरार हो गया लेकिन गुस्साये लोगों ने आरोपी के पिता को पकड़ लिया और पीट-पीट कर अधमरा कर दिया। बाद में उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया । घटना की जानकारी मिलने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रीतम सिंह, नेता प्रतिपक्ष इंदिरा हृदयेश और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तिलक राज बेहड़ भी घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। घटना से क्षेत्र में तनाव बना हुआ है।

पूर्व बीजेपी विधायक जयंती भानुशाली की चलती ट्रेन में गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली : बीजेपी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक जयंतीलाल भानुशाली की सोमवार देर रात अज्ञात हमलावरों ने चलती ट्रेन में गोली मारकर हत्या कर दी। घटना रात करीब दो बजे भुज-दादर एक्सप्रेस ट्रेन में हुई जब भानुशाली (५३) कच्छ जिले के भुज से अहमदाबाद लौट रहे थे। भानुशाली ने पिछले साल जुलाई में बलात्कार के आरोप लगने के बाद गुजरात भाजपा के उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि गुजरात उच्च न्यायालय ने अगस्त २०१८ में महिला के शिकायत वापस लेने के बाद केस रद्द कर दिया था। मोरबी जिले के पुलिस अधीक्षक कननराज वघेला ने कहा कि उन्हें कच्छ जिले के नजदीक गांधीधाम और सूरजबाड़ी स्टेशन के बीच गोली मारी गई। उन्होंने कहा, 'भुज-दादर ट्रेन में मौजूद रेलवे पुलिस ने मोरबी पुलिस को सूचित किया कि भानुशाली की ट्रेन में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। ट्रेन मोरबी के मालिया स्टेशन पहुंचने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया।' वघेला ने कहा कि शुरुआती जांच के मुताबिक उन्हें दो गोलियां मारी गईं।उन्होंने कहा, 'हमें ट्रेन के डिब्बे से कारतूस के खोखे मिले हैं जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिये भेज दिया गया है। रेलवे पुलिस इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करेगी।' भानुशाली २००७ से २०१२ के बीच अबदासा विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुके थे।

अभिनेत्री मौसमी चटर्जी के घर से कामवाली बाई ने चुराए सोने के जेवरात, गिरफ्तार

शाहीन सय्यद

अभिनेत्री मौसमी चटर्जी की कामवाली बाई सुनीता को मुंबई पुलिस ने चोरी के इल्जाम में गिरफ्तार किया है. बताया जा रहा है कि मौसमी पिछले हफ्ते शहर से बाहर गईं थी. जब वो मुंबई लौटी तो पाया कि उनके सोने का कंगन गायब है. इस कंगना की कीमत तकरीबन १ लाख रूपए बताई जा रही है. इस बात से परेशान मौसमी ने खार पुलिस स्टेशन में गुरुवार को इस बात की शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायत मिलने के २४ घंटों के अंदर पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार किया और इस मामले को सुलझाया.टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के अनुसार, जब घर में कोई नहीं था तब करीब ४ लोगों ने मिलकर घर में घुसपैठ की. इनमें से ३ महिलाएं शामिल थी. पुलिस की शुरूआती जांच में पता चला कि मौसमी की कामवाली बाई सुनीता गुरुवार के दिन काम पर नहीं आई. आमतौर पर वो सुबह ८ बजे आ जाती थी और शाम ६ बजे तक लौट जाती थी. इसके बाद पुलिस ने अपने एक कांस्टेबल को सुनीता के सांताक्रुज स्थित घर पर भेजा लेकिन वो वहां मौजूद नहीं थी. इसके बाद वहां के स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई जहां पता चला कि सुनीता चुराए हुए कंगन को बेचने के लिए ज्वेलरी शॉप पर गई है. इससे पहले की सुनीता कंगन बेच पाती पुलिस ने उन्हें धरदबोचा. पुलिस ने उनपर आईपीसी की धारा ३८१ के तहत मामला दर्ज किया है.

छत से कूदकर छात्रा ने की खुदकुशी, हथेली पर लिखा था 'सॉरी पापा'

भोपाल: एक १६ साल की लड़की ने बीते रविवार रात को गौतम नगर स्थित एक तीन मंजिला इमारत से छलांग लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ लेकिन उसकी बांई हथेली पर 'आय एम सॉरी पापा' लिखा हुआ था जिसके बाद पुलिस को शुरुआती जांच में यही लग रहा है कि लड़की ने सुसाइड किया होगा। लड़की एक प्राइवेट स्कूल में ११वीं क्लास की छात्रा थी। जांच अधिकारी एएसआई रमेश चंद्र द्विवेदी ने कहा कि रविवार को जब वह कोचिंग से घर लौटी तो वह कुछ निराश नजर आ रही थी। उसने किसी परेशानी की वजह नहीं बताई और घर से बाहर चली गई। पुलिस का मानना है कि लड़की अपने पड़ोसी की छत पर गई और रात ८ बजकर ३० मिनट पर छत से छलांग लगा दी और ३२ फीट नीचे जमीन पर आ गिरी। जोर से आई आवाज ने पड़ोसियों को चौंका दिया और जब उन्होंने बाहर आकर देखा तो लड़की जमीन पर मौजूद थी और उसके सिर पर चोटें लगी हुई थीं।

मॉडल, कलाकार, हेल्पर की जरूरत है

CINE, T. V. ARTISTS AND WORKERS ASSOCIA-TION (REGD.)

अच्छे मियाँ

कार्ड भी बनाकर दिया जाएगा... कार्ड की कीमत २५००/-

(Regd. No. A.L.C. -17-10174 Under Trade Union Act, 1926 With Government of Maharashtra)
Heena Arcade,Shop No16, S. V. Road, Jogeshwari (W), Mumbai-102
Tel. : 022-66989738 - 9220541108/ 08433238738

New Huma Caterers

Jogeshwari

★ We Have No Branch ★

Mohd. Salim
9820710325 / 9967865102
9867868339 / 26790046

: Address :
Shop No. 1, Old Ghaswala Stable, Next to Syndicate Bank, S.V. Road, Jogeshwari (W), Mumbai - 400 102.

Web.: www.newhumacaterers.com
E-mail : newhumacaterers@gmail.com

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक - असगर अमीन शाह द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 3-4 अमीन इंड. इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नं.2, जवाहर नगर फाटक ब्रिज के पास, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063 से मुद्रित कर रुम नं. जी-16, अमीन पारसी चाल, एस. वी. रोड, जोगेश्वरी (पश्चिम), मुंबई-400102 से प्रकाशित संपादक-असगर अमीन शाह